आईपीआर एक्सपर्ट बनें छात्र

कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं अतिथि।

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना (सीआईएमपी) ऑडिटोरियम में आईपीआर और स्टार्टअप के लिए आईपी मैनेजमेंट विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के दिशा-निर्देशों के अनुसार, इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल की तहत होने वाली गतिविधियों का हिस्सा था।

■ सीआईएमपी में स्टार्टअप के लिए आईपीआर व आईपी प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित

डॉ. श्वेता सिंह, संस्थापक और सीईओ, एनोबल आईपी वक्ता के रूप में उपस्थित थी और खुशाल जुनेजा, महाप्रबंधक-आईपी और संचालन, एनोबल आईपी भी अतिथि के रूप में मौजूद थे । सीआईएमपी छात्रों के अलावा, संकायों और कर्मचारियों और स्टार्टअप ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. श्वेता सिंह एक आईपीआर विशेषज्ञ हैं। वह एनोबले आईपी और वूमेन इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप फाउंडेशन, स्टेप अप की संस्थापक और सीईओ भी हैं। डॉ. श्वेता ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए अपने आईपीआर एक्सपर्ट बनाने और एनोबल आईपी जैसी संस्थान खोलने की वजह पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत में सबसे ज्यादा इनोवेटिव माइंडस हैं पर विडम्बना यह है की दुनिया में सबसे ज्यादा पेटेंट्स और आईपीआर चीन रजिस्टर करता हैं। इस वर्कशॉप के दौरान उन्होंने आईपीआर के विभिन्न पहलुओं, पेटेंट, ट्रेडमार्क, आईपीआर भरने की प्रक्रिया, आईपीआर दाखिल करने की आवश्यकता के साथ-साथ आईपीआर उल्लंघन के लिए रिपोर्ट करने के उपायों के बारे में चर्चा की।

इस इंटरैक्टिव सेशन के दौरान प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कई प्रासंगिक प्रश्न पूछे। कार्यक्रम के अंत में प्रो.राजीव वर्मा द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया और उन्होंने डॉ श्वेता और कुशल जुनेजा को स्मृति चिह्न भी भेंट की।

Rashtriya Sahara ! Page.NO-05
Datred:10-07-2022

सीआईएमपी में कार्यशाला का आयोजन

पटना (आससे)। शनिवार को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) द्वारा सीआईएमपी ऑडिटोरियम में आईपीआर और स्टार्टअप्स के लिए आईपी मैनेजमेंट पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह

आयोजन, शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के दिशा-निर्देशों के अनुसार, इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल की तहत होने वाली गतिविधियों का हिस्सा था। इस अवसर पर, डॉ श्वेता सिंह, संस्थापक और सीईओ, एनोबल आईपी, वक्ता के रूप में उपस्थित थी और खुशाल जुनेजा, महाप्रबंधक-आईपी और संचालन, एनोबल आईपी भी अतिथि के रूप में मौजूद थे। सीआईएमपी छात्रों के अलावा, संकायों और कर्मचारियों, और स्टार्टअप्स ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ श्वेता सिंह एक आईपीआर विशेषज्ञ हैं। अपने स्वागत भाषण में प्रो. वर्मा ने आज के समय में आईपीआर अधिकारों को लेकर जागरूकता की कमी पर प्रकाश डाला। साथ ही, इस कार्यशाला से संस्थान के साथ-साथ सप्रतिभागियों को भविष्य में इन्नोवेटर्स के तौर पर मिलने वाले लाभ की भी बात कही। वही डॉ. श्वेता ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए अपने आईपीआर एक्सपर्ट बनाने और एनोबल आईपी जैसी संस्थान खोलने की वजह पर प्रकाश डालते हुए कहा की भारत में सबसे ज्यादा इनोवेटिव माइंडस है पर विडम्बना यह है की दुनिया में सबसे ज्यादा पेटेंट्स और आईपीआर चीन रजिस्टर करता हैं। इस वर्कशॉप के दौरान उन्होंने आईपीआर के विभिन्न पहलुओं, पेटेंट, ट्रेडमार्क, आईपीआर भरने की प्रक्रिया, आईपीआर दाखिल करने की आवश्यकता के साथ-साथ आईपीआर उल्लंघन के लिए रिपोर्ट करने के उपायों के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में प्रो. राजीव वर्मा द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया और उन्होंने डॉ. श्वेता और कुशल जुनेजा को स्मृति चिन्ह भी भेंट की। यह एक निःशुल्क आयोजन था। साथ.ही प्रतिभागियों को बाद में सीआईएमपी द्वारा सर्टिफिकेट्स भी दिए जायेंगे।

AAJ ! Page.No-05 ! Dated:10-07-2022

Workshop on IPR and IP Management for Startups organized at CIMP

OUR CORRESPONDENT

PATNA: Workshop on IPR and IP Management for Startups' was organized by Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) at CIMP Auditorium here on Saturday. This event was part of Institute Innovation Council (IIC) Activity as per guidelines of Ministry of Education's Innovation Cell (MIC).

On this occasion, Dr. Shweta Singh, Founder & CEO, Ennoble IP, was present as speaker and shared dais with Khushal Juneja, General Manager, IP & Operations, Ennoble IP and Prof. Rajeev Verma. Apart from CIMP students, faculties and staffs, startups and students also attended the event.

Dr. Shweta Singh is an IPR Expert. She is Founder and CEO of Ennoble IP, and Women Innovation & Entrepreneurship Foundation (STEP UP 360).

In his welcome speech, Prof. Dr. Rajeev Verma highlighted the need to be aware of IPR rights in contemporary times and how workshop would benefit institution as well as participants in their future endeavors as innovators.

Dr. Shweta while addressing the participants and discussing about her motivation behind becoming an IPR Expert and starting her own company Ennoble IP said, " India has largest number of innovative minds but highest number of Patents and IPRs are filed by China." She also discussed about various facets of IPR, patents, trademarks, process of filling for IPR, need to file IPR as well as measures to report for IPR violation.

Morning India ! Page.No-03
Dated:10-07-2022

सीआइएमपी में आइपी मैनेजमेंट पर कार्यशाला

संवाददाता ▷ पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) द्वारा सीआइएमपी ऑडिटोरियम में 'आइपीआर और स्टार्टअप्स के लिए आइपी मैनेजमेंट' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर डॉ श्वेता सिंह, संस्थापक और सीइओ, एनोबल आइपी, वक्ता के रूप में उपस्थित थीं और खुशाल जुनेजा, महाप्रबंधक-आइपी और संचालन, एनोबल आइपी भी अतिथि के रूप में मौजूद थे. डॉ श्वेता ने अपने आइपीआर एक्सपर्ट बनने और एनोबल आइपी जैसे संस्थान खोलने की वजह पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत में सबसे ज्यादा इनोवेटिव माइंड्स हैं पर विडंबना यह है कि दुनिया में सबसे ज्यादा पेटेंट्स और आइपीआर चीन रजिस्टर करता है. इस वर्कशॉप के दौरान उन्होंने आइपीआर के विभिन्न पहलुओं, पेटेंट, ट्रेडमार्क, आइपीआर भरने की प्रक्रिया, आइपीआर दाखिल करने की आवश्यकता के साथ-साथ आइपीआर उल्लंघन के लिए रिपोर्ट करने के उपायों के बारे में चर्चा की.

इस इंटरैक्टिव सेशन के दौरान प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कई प्रासंगिक प्रश्न पूछे. आयोजन, शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल (एमआइसी) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल (आइआइटी) के तहत होने वाली गतिविधियों का हिस्सा था. इसमें सीआइएमपी के छात्रों के अलावा, संकायों, कर्मचारियों, और स्टार्टअप्स ने भी भाग लिया. डॉ श्वेता सिंह एक आइपीआर विशेषज्ञ हैं.

Prabhat Khabar ! Page.No-04
Dated:10-07-2022

सीआईएमपी में स्टार्टअप के लिए कार्यशाला

पटना/कार्यालय संवाददाता। सीआईएमपी द्वारा सीआईएमपी ऑडिटोरियम में "आईपीआर और स्टार्टअप्स के लिए आईपी मैनेजमेंट" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन, शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के दिशा-निर्देशों के अनुसार, इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल की तहत होनेवाली गतिविधियों का हिस्सा था। इस अवसर पर संस्थापक और सीईओ, एनोबल आईपी डॉ श्वेता सिंह उपस्थित थी। महाप्रबंधक-आईपी और संचालन, एनोबल आईपी खुशाल जुनेजा भी अतिथि के रूप में मौजूद थे। सीआईएमपी छात्रों के अलावा, संकायों और कर्मचारियों और स्टार्टअप्स ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ श्वेता सिंह एक आईपीआर विशेषज्ञ हैं। वह एनोबले आईपी और वूमेन इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप फाउंडेशन, स्टेप अप 360 की संस्थापक और सीईओ भी हैं। अपने स्वागत भाषण में प्रो. वर्मा ने आज के समय में आईपीआर अधिकारों को लेकर जागरूकता की कमी पर प्रकाश डाला। साथ ही, इस कार्यशाला से संस्थान के साथ-साथ सप्रतिभागियों को भविष्य में इन्नोवेटर्स के तौर पर मिलने वाले लाभ की भी बात कही। वहीं डॉ. श्वेता ने कहा कि भारत में सबसे ज्यादा इनोवेटिव माइंडस है पर विडम्बना यह है कि दुनिया में सबसे ज्यादा पेटेंट्स और आईपीआर चीन रजिस्टर करता हैं।

Sanmarg ! Page.NO-03
Dated:10-07-2022

आईपीआर और आईपी पर चर्चा

पटना। सीआईएमपी में स्टार्टअप के लिए आईपीआर और आईपी प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। एनोबल आईपी की संस्थापक और सीईओ डॉ श्वेता सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत में सबसे ज्यादा इनोवेटिव माइंड्स है, पर विडंबना यह है कि दुनिया में सबसे ज्यादा पेटेंट्स और आईपीआर चीन रजिस्टर करता हैं। इस वर्कशॉप के दौरान उन्होंने आईपीआर के विभिन्न पहलुओं, पेटेंट, ट्रेडमार्क, आईपीआर भरने की प्रक्रिया, आईपीआर दाखिल करने की आवश्यकता के साथ-साथ आईपीआर उल्लंघन के लिए रिपोर्ट करने के उपायों पर चर्चा की। सेशन में प्रतिभागियों ने स्टार्टअप से जुड़े कई सवाल पूछे।

Dainik Bhaskar
Page.No-02
Dated:10-07-2022